अध्याय–12

पूर्वोत्तर कोलफील्डों में विकास क्रियाकलाप

12.1 पूर्वोत्तर क्षेत्र में कोल इंडिया लि. की खनन गतिविधियां मुख्य रूप से असम के माकुम कोलफील्ड्स में है, इस समय चार (4) खानें प्रचालनरत हैं। ये तिराप, तिकाक, लीडो ओसीपी, तिपांग हैं। इनमें से तिराप तिकाक और लीडो ओपनकास्ट खानें हैं जबकि तिपांग, भूमिगत खान है। लीडो ओपनकास्ट परियोजना (लीडो ओसीपी) वित्त वर्ष 2008–09 में आरंभ की गयी थी। हालांकि एनईसी में उत्पादन जो वर्ष 1987–88 में 10.00 लाख टन से धीरे–धीरे घटकर वर्ष 1999–2000 में 5.72 लाख टन हो गया था, में अब वर्ष 2006–07 से पुनः सुधार आना आरंभ हो गया है जो निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं । तथापि, निविदा प्रक्रिया में विलम्ब तथा नए ठेके को अंतिम रूप न देने के कारण, वित्त वर्ष 201112 में उत्पादन घट कर 6.02 लाख टन हो गया था ।

(आंकड़े लाख टन में)

वर्ष	2006–07	2007–08	2008–09	2009–10	2010–11	2011–12	2012–13 (अनंतिम)
एनईसी का कोयला उत्पादन	10.50	11.01	10.09	11.13	11.00	6.02	7.50

चालू वर्ष में 31.12.2012 तक 3.75 लाख टन कोयले का उत्पादन किया गया है और उम्मीद है कि 31 मार्च, 2013 तक 7.50 लाख टन उत्पादन प्राप्त कर लिया जाएगा। क्योंकि इस वर्ष 5 आऊट सोर्सिंग पैचेज (तिरापपूर्वी, तिरापपश्चिमी, तिकाकपूर्वी, तिकाक पश्चिमी तथा लीडो ओसीपी) में से 10 जुलाई, 2011 को पिछले ठेके की समाप्ति के पश्चात नया एनआईटी शुरू किया गया था तथा तदनुसार ठेका तिकाक पूर्वी, तिकाकपश्चिमी, लीडो ओसीपी तथा तिराप पूर्वी को दिया गया । परंतु न्यायालय में मुकदमेबाजी के कारण तिराप पूर्वी ओपन कास्ट पैच के ठेके को अंतिम रूप देने में विलम्ब हुआ और अंततः इसे 31 दिसम्बर, 2011 को दिया गया । परंतु उचित समय में तिराप पश्चिमी ओपन कास्ट पैच में ठेके को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका । अंत में दोबार पुनः निविदा प्रक्रिया के पश्चात तिरापपश्चिमी को 12.12. 2012 को अंतिम रूप दिया गया था तथा एल 1 बोलीदाता को एलओए जारी किया गया । तदनुसार, 19.01.2013 से उत्पादन प्रारंभ हुआ ।

लीडो कोलियरी में 03.11.2008 (तीसरी पाली) को घातक दुर्घटना होने के कारण, डीजीएमएस ने दिनांक 07.11.2008 से लेडो भूमिगत खान को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है तथा अन्य दो (2) खानों अर्थात तिपोंग और बारागोलाई पर खान अधिनियम, 1952 की धारा 22(3) लगायी है। तथापि, डीजीएमएस ने नवम्बर, 2010 के प्रथम सप्ताह में तिपांग कोलियरी में केवल विकास कार्य करने की अनुमति दे दी है। इसके कारण इस समय तिपांग भूमिगत खान से कोयले का मामूली उत्पादन हो रहा है। इसके पश्चात लीडो यू.जी. एवं बारागोलाई यू.जी. खानों के लिए क्रमशः 29.05.2010 तथा 12.07.2010 को डीजीएमएस को परित्यक्त खान योजना प्रस्तुत की गयी है।

12.2 2012–13 (31 दिसम्बर, 2012 तक) के दौरान एनइसी का कार्य निष्पादन

(वास्तविक)

1.	कोयला उत्पादन	यूनिट	मात्रा
	i) भूमिगत	लाख टन	0.02
	ii) ओपनकास्ट	"	3. 73
	कुल	"	**3.75**
2	**ओ.एम.एस.**		
	i) भूमिगत	टन	0.01
	ii) ओपनकास्ट	"	3.08
	iii) समग्र	"	1.06
3	**कोयला प्रेषण / उठान**		
	i) प्रेषण	लाख टन	4.12
	ii) घरेलू खपत	"	0.00
	iii) उठान	"	4.12
4	31.12.2012 की स्थिति के अनुसार पिट हेड कोयला स्टॉक	"	0.58
5	खानों की संख्या	**कार्यशील**	**04**

12.3 2012–13 (1 जनवरी, 2013 से 31 मार्च, 2013 तक) के दौरान एनईसी का कार्य–निष्पादन

(अनंतिम)

1.	कोयला उत्पादन	यूनिट	मात्रा
	i) भूमिगत	लाख टन	0.01
	ii) ओपनकास्ट	"	3.74
	कुल	"	3.75
2	**ओ.एम.एस.**		
	i) भूमिगत	टन	0.01
	ii) ओपनकास्ट	"	9.27
	iii) समग्र	"	3.18
3	**कोयला प्रेषण / उठान**		
	i) प्रेषण	लाख टन	3.88
	ii) घरेलू खपत	"	0.00
	iii) उठान	"	3.88
4	31.03.2013 की स्थिति के अनुसार पिट हेड कोयला स्टॉक	"	0.45
5	खानों की संख्या	**कार्यशील**	04

2011–12 (अप्रैल, 2011 से मार्च, 2012 तक) के दौरान एनईसी का कार्य–निष्पादन

(अनंतिम)

1	कोयला उत्पादन	यूनिट	मात्रा
	i) भूमिगत	लाख टन	0.03
	ii) ओपनकास्ट		7.47
	कुल		**7.50**
2	**ओ.एम.एस.**		
	i) भूमिगत	टन	0.01
	ii) ओपनकास्ट	"	4.63
	iii) समग्र	"	1.59
3	**कोयला प्रेषण / उठान**		
	i) प्रेषण	लाख टन	8.00
	ii) घरेलू खपत	"	0.00
	iii) उठान	"	8.00
4	31.03.2012 की स्थिति के अनुसार पिट हेड कोयला स्टॉक	"	0.45
5	खानों की संख्या	**कार्यशील**	**04**

12.4 एनईसी का कार्य–निष्पादन

यद्यपि एनईसी पिछले कुछ वर्षों को छोड़कर भारी नुकसान में चल रही थी, यह वर्ष 2005–06 से समग्र लाभ (यूजी कोलियरियां अभी भी घाटे में हैं) अर्जित कर रही है। पिछले चार वर्षों की लाभप्रदता निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गयी है:

पिछले चार वर्षों की लाभप्रदता (लाख रूपयों में)

खान	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
तिपोंग (यूजी)*	(-) 6057.98	(-) 5130.20	(-) 5749.98	(-) 5872.69
लेडो (यूजी)*	(-) 3048.06	(-) 2190.07	(-) 2217.47	(-) 2191.70
बारागोलाई (यूजी)*	(-) 5522.19	(-) 3875.20	(-) 3838.58	(-) 3201.22
जेयपोर (यूजी)*	(-) 75.11	(-) 54.78	(-) 54.82	(-) 91.44
तिराप (ओसी)	(+) 11230.30	(+)15212.75	(+) 14883.02	(+) 11070.77
तिकाक (ओसी)	(+) 7483.34	(+)11588.32	(+) 10743.80	(+) 15149.79
लीडो (ओसीपी)	--	(+) 2082.38	(+) 2409.34	(+) 6343.88
कुल एनईसी	**(+) 4010.30**	**(+)17633.20**	**(+) 16175.31**	**(+) 21207.39**

*यद्यपि प्रचालन स्थगित कर दिया गया है, तथापि वेतन मजदूरी और स्थापना रखरखाव के लिए बिजली की लागत पर व्यय हो रहा है।

12.5 एनईसी का उत्पादन कार्यक्रम

एनईसी में इस समय कुल मिलाकर चार (4) विद्यमान कार्यशील खाने हैं, जिनमें 3 ओपनकास्ट खाने और एक भूमिगत खान है तथा इन चार खानों से प्रत्येक वर्ष लगभग 1.1 मिलियन टन कोयले का उत्पादन होता है। किन्तु इस वित्त वर्ष अर्थात 2012–13 के लिए कोयला उत्पादन का प्रमुख योगदान मुख्य रूप से ओपनकास्ट परियोजनाओं अर्थात तिराप ओपनकास्ट परियोजना, तिकाक ओपनकास्ट परियोजना और लीडो ओपनकास्ट परियोजना (वित्त–वर्ष 2008–09 में आरंभ हुई) से प्राप्त होगा। चालू वर्ष अर्थात 2012–13 के लिए एनईसी की भूमिगत खान से कोयले का मामूली उत्पादन होगा।

तथापि, इस वित्तीय वर्ष अर्थात वर्ष 2012–13 में निम्नलिखित कारणों के कारण एनईसी 10 लाख टन उत्पादन करने की स्थिति में नहीं होगा ।

पूर्वोत्तर कोलफील्डों में पांचों आउटसोर्सिंग पैचों अर्थात तिराप (पूर्व), तिराप(पश्चिम), तिकाक(पूर्व), तिकाक ओसीएम और लीडो ओसीपी तथा एनईसी के समूचे उत्पादन का आउटसोर्स किया जाएगा ।

सभी 5 (पांच) ओपन कास्ट पैचों के 10 जुलाई, 2011 को पिछले ठेके की समाप्ति के पश्चात, नई एनआईटी शुरू की गई थी तथा ठेका तिकाक (पश्चिम), तिकाक(पूर्व), लीडो ओसीपी और तिराप(पूर्व) को दिया गया । तिराप(पूर्व) ओसी पैच में ठेका को अंतिम रूप देने में समय लगा क्योंकि न्यायालयी मुकदमेबाजी के पश्चात इसकी पुनः निविदा की गई और ठेका अंततः 31 दिसम्बर, 2011 को दिया गया । 2 (दो) बार पुनः निविदा प्रक्रिया के पश्चात तिराप (पश्चिम)ओसी पैच में ठेका को अंतिम रूप दिया जा सका तथा एल। बोलीदाता को 12.12.2012 को स्वीकृति पत्र जारी की गई थी तथा 19 जनवरी, 2013 से उत्पादन शुरू हो गया था ।

अप्रैल से अक्टूबर, 2012 के दौरान इस क्षेत्र में अप्रत्याशित और लगातार बारिश के कारण कोयला और ओबी में उत्पादन में घाटा हुआ साथ ही कार्य आबंटन में विलंब हुआ । इस कारण वित्त वर्ष 2012–13 में एनईसी को 7.5 लाख टन कोयला उत्पादन होने की आशा है ।

तथापि, यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि दिनांक 10.01.2013 को तिकाक पश्चिम पैच में एक अप्रिय घटना घटी थी । मैसर्स बीआईएल के 4(चार) व्यक्तियों (ठेकेदार के कामगार व पर्यवेक्षक) का अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा दिनदहाड़े अपहरण कर लिया गया था । यद्यपि उन्हें अगले दिन रिहा कर दिया गया था, सभी कामगारों में डर और भय पैदा हो गया । इस कारण 10.01.2013 से 27.01.2013 तक सभी आउटसोर्सिंग ठेकेदारों द्वारा कुल उत्पादन पूरी तरह रोक दिया गया । यद्यपि, ओबी एवं कोयले का उत्पादन 27.01.2013 से तिराप और लीडो कोलियरजी में पुनः शुरू हो गया, परन्तु अभी तक आउटसोर्सिंग ठेकेदारों द्वारा टिकाक कोलियरी में काम शुरू नहीं हो पाया है ।

खानों की चौबीसों घण्टा पैट्रोलिंग के लिए जिला प्रशासन ने सशस्त्र सुरक्षा कमाण्डोज उपलब्ध कराया है । तथापि इन परिस्थितियों के कारण निर्धारित उत्पादन एवं प्रेषण लक्ष्य बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

इसके अलावा, एनईसी ने 7 नई परियोजनाओं की पहचान की है जो निर्माण के विभिन्न् चरणों

में है (जिसमें से लीडो ओसीपी ने वित्त वर्ष 2008–09 से कोयले का उत्पादन आरंभ कर दिया है)। नई परियोजना से कोयला उत्पादन 11वीं योजना के दौरान तथा 12 योजना के शुरू में आरंभ होने की संभावना है। इन खानों से उत्पादन का कार्यक्रम निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:–

11वीं योजना तथा 12वीं योजना के दौरान नयी परियोजनाओं से एनईसी का उत्पादन कार्यक्रम

(आंकड़े मि.टन में)

परियोजना खान का नाम	11वीं योजना			12वीं योजना				
	2009–10 (वास्तविक)	2010–11 वास्तविक	2011–12 वास्तविक	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
लेडो मैकेनिकल ओसीपी	0.09	0.11	0.13	0.15	0.15	0.15	0.15	0.15
लेखापनी ओसीपी ऑ	--	--	--	0.00	0.02	0.20	0.25	0.25
तिरप फेस–2 ऑ	--	--	--	0.00	0.00	0.00	0.05	0.20
तिकाक विस्तार	--	--	--	0.00	0.08	0.20	0.20	0.25
पीक्यू ब्लॉक	--	--	--	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
तिपॉग ओसीपी	--	--	--	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
तिकाक एकीकृत ओसीपी	--	--	--	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल :	**0.09**	**0.11**	**0.13**	**0.15**	**0.25**	**0.55**	**0.65**	**0.85**

*एमओईएफ, नई दिल्ली से पर्यावरण एवं वन स्वीकृति के अध्यधीन है।